उपखण्ड अधिकारी — मुकाम : रावतभाटा

बृजराज ... बनाम ... गिरिराज सिंह

वाद ... नं0 ... 12/2018 ... सन् ...

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इसमें जारी हुए
पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व प्रतिवादी उपस्थित। वकील प्रतिवादी के प्रा॰पत्र 07 रूल 11 CPC का जवाब प्रस्तुत करने का अवसर चाहा। प्रतिवादी सं. 01 अधिवक्ता को जवाब हेतु अन्तिम अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 25-02-2024 को पेश हो।	[illegible]
पत्रावली पेश हुई। वकुलाय फरिकैन मय अधिवक्ता उपस्थित वादी की ओर से प्रार्थना-पत्र 7/11 सी.पी.सी. का जवाब पेश हुआ। प्रतिवादी अधिवक्ता को नकल की प्रति दिलवाई गई। अधिवक्ता द्वारा आज ही बहस करने का निवेदन किया गया। बहस सुनी गयी, प्रतिवादी ने बताया कि 7/11 CPC के तहत जो वाद विधि द्वारा वर्जित हो, वाद हेतुक प्रकट नहीं होता हो तो वह वाद विधी अनुसार खारीज होता है। उक्त वादी द्वारा प्रस्तुत वाद विधि द्वारा वर्जित होने तथा कोई हेतुक प्रकट नहीं होने से प्रार्थना-पत्र 7/11 CPC मंजूर किया जावें एवं वाद-वादी खारिज किया जावें तथा बहस में कथन किये कि विधि का सुस्थापित सिद्धान्त है कि वास्तविक खातेदार के विरुद्ध स्थायी	

बृजराज बनाम गिरीराज सिंह

मुकदमा वाद

प्र० सं० 12/2018

वाद नही लाया जा सकता है। वादी खातेदार काश्तकार नही है। वादी कब्जे के आधार पर वाद लाया है जबकि प्रतिकूल कब्जे के आधार पर खातेदारी अधिकार प्रदत्त नही होते है। वादी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर खातेदारी की घोषणा चाही गयी है। वह दस्तावेज अनरजिस्टर्ड एवं अनस्टाम्प है ऐसे दस्तावेज के आधार पर खातेदारी घोषणा नही दीजा सकती है इसलिए भी वाद विधि द्वारा वर्जित है। वादी अधिवक्ता द्वारा बहस मे उक्त कथनों का विरोध किया गया। उक्त बातें तनकी मे जोडकर प्रार्थना-पत्र 7/11 खारीज करने का निवेदन किया। प्रतिवादी अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत माननीय राजस्व मण्डल अजमेर नजीर एवं प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। उभय पक्षों की बहस सुनकर न्यायालय के समक्ष तथ्य सामने आये कि प्रतिवादी गिरीराज सिंह राजस्व रिकार्ड मे खातेदार है तथा उक्त खातेदारी उसे विरासत से प्राप्त हुई है। इसलिए प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र 7/11 CPC मंजूर किया जाता है तथा वाद-वादी खारिज फरमाया जाता है। वाद खारिज होने से लम्बित प्रार्थना-पत्र 1/10 CPC स्वत: ही अस्तित्वहीन हो गया। निर्णय... गया। पत्रावली ...